

## —चवालीस—

उत्तर प्रदेश सरकार  
कर एवं निबन्धन अनुभाग-5  
संख्या क0नि0-5-3730/ग्यारह-2004-500(85)-2003  
लखनऊ, दिनांक 06 जुलाई, 2004  
अधिसूचना  
आदेश

प0आ0-239

उत्तर प्रदेश में अपनी प्रवृत्ति के सम्बन्ध में समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (अधिनियम संख्या 2 सन् 1899) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से औद्योगिक विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रणाधीन उद्योग निदेशालय द्वारा प्रशासित औद्योगिक आस्थानों की भूमि या शेड युक्त भूमि के सम्बन्ध में पट्टाकर्ता के रूप में राज्यपाल द्वारा पट्टेदार के रूप में आवंटिती के पक्ष में निष्पादित पट्टे के लिखतों पर प्रभार्य स्टाम्प शुल्क को, ऐसी धनराशि, जो निम्नलिखित से अधिक हो, पर प्रभार्य शुल्क की सीमा तक कम करते हैं :-

- (1) जहाँ कि पट्टा 30 वर्ष से अधिक किन्तु 100 वर्ष से अनधिक अवधि के लिए तात्पर्यित है। (1) प्रतिफल की ऐसी कम जो आरक्षित किये गये औसत वार्षिक भाटक की रकम के लिए तात्पर्यित है। या मूल्य के दस गुने के बराबर हो।
- (2) जहाँ कि पट्टा 100 वर्ष से अधिक अवधि के लिए या शाश्वत के लिए तात्पर्यित है। (2) प्रतिफल की ऐसी रकम जो ऐसे भाटक की, जो पट्टे के प्रथम 50 वर्ष की बाबत दिया जायेगा या परिदत्त किया जायेगा, पूरी रकम के तीसरे भाग के बराबर हो।
- (3) जहाँ कि पट्टा किसी निश्चित अवधि के लिए तात्पर्यित नहीं है। (3) प्रतिफल की ऐसी रकम जो ऐसे औसत वार्षिक भाटक की, जो प्रथम 10 वर्ष के लिए उस दशा में दिया जायेगा या परिदत्त किया जायेगा जिसमें कि पट्टा उस अवधि तक चालू रहता, रकम या मूल्य के बराबर हो।
- (4) जहाँ कि पट्टा किसी नजराने या प्रीमियम के लिए या अग्रिम दिये गये धन के लिए मंजूर किया गया है और जहाँ कोई भाटक आरक्षित नहीं है और तीस वर्ष से अधिक अवधि के लिए तात्पर्यित नहीं हैं। (4) प्रतिफल की ऐसी रकम जो ऐसे नजराने या प्रीमियम या अग्रिम धन की रकम या मूल्य के, जो पट्टा में उपवर्णित हो, बराबर हो।
- (5) जहाँ कि पट्टा आरक्षित किये गये भाटक के अतिरिक्त किसी नजराने या प्रीमियम के लिए या अग्रिम दिये गये धन के लिए मंजूर किया गया है और तीस वर्ष से अधिक अवधि के लिए तात्पर्यित है। (5) पट्टों की भिन्न-भिन्न अवधि के सम्बन्ध में, यथास्थिति खण्ड (एक), (दो) या (तीन) में उल्लिखित रकम के अतिरिक्त, प्रतिफल की रकम, जो ऐसे नजराने या प्रीमियम या अग्रिम धन की रकम या मूल्य के, जो पट्टों में उपवर्णित है, बराबर हो।

आज्ञा से,  
ह0अस्पष्ट  
रीता सिन्हा,  
प्रमुख सचिव।

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Government notification no. K.N. 5-3730/XI-2004-500(85)-2003, dated July 06, 2004 for general information:

**No. K.N. 5-3730/XI-2004-500(85)-2003**  
**Lucknow, Dated July 06, 2004**  
**Notification**  
**Order**

In exercise of the powers under clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (Act no. 2 of 1899) as amended from time to time in its application to Uttar Pradesh, the Governor is pleased to reduce with effect from the date of publication of this notification in the Gazette, the stamp duty chargeable on instruments of lease executed by the Governor as Lessor relating to the land or the land with shed which is belonging to the Industrial Estate, administered by the Directorate of Industries and under control of the Industrial Development Department, Government of Uttar Pradesh in favour of the allottee as Lessee, to the extent of the duty chargeable on the amount that exceeds,-

(1) Where the lease purports to be for a term exceeding thirty years but not exceeding one hundred years,

(2) where the lease purports to be for a term exceeding one hundred years or in perpetuity,

(3) where the lease does not purport to be for any definite term,

(1) the amount of consideration equal to ten times of the amount or value of the average annual rent reserved,

(2) the amount of consideration equal to one third of the whole amount of rent which would be paid or delivered in respect of the first fifty years of the lease,

(3) the amount of consideration equal to three times of the amount or value of the average annual rent which would be paid or delivered for the first ten years, if the lease continued so long,

(4) where the lease is granted for a fine or premium or for money advanced and where no rent is reserved and purports to be for a term not exceeding thirty years,

(5) where the lease is granted for a fine or premium or for money advanced in addition to rent reserved and purports to be for a term exceeding thirty years,

(4) the amount of consideration equal to the amount or value of such fine or premium or advance as set forth in the lease,

(5) the amount of consideration equal to the amount or value of such fine or premium or advance as set forth in the lease, in addition to the amount mentioned in respect of different terms of leases, in clauses (i), (ii) or (iii) as the case may be.

By order,  
Sd/- Illegible  
RITA SINHA,  
Pramukh Sachiv.